ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CLASS: III
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME&NO–पाठ-११(सबक)
SUB –TOPIC- प्रस्तावना,आदर्श पठन

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रस्तावना

सबक-सीख

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अच्छी सीख

बुरी सीख

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आदर्श पठन

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

चिंतन मनन- अपनी खुशी के लिए कभी किसी को नुकसान नही
पहुँचाना चाहिए।

गिलहरी बहुत ही चंचल और शरारती थी। उससे जंगल के सभी जानवर बहुत परेशान थे।किसी ना किसी जानवर का नुकसान करना उसकी आदत बन चुकी थी।एक दिन चीनी,सुंदर खरगोश के खेत में घुस गई। उसने गाजर उखाड़कर खेत से बाहर फेंक दी।सुदंर उसे पकड़ने की कोशिश करता रहा पर वह सफल ना हुआ।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सुंदर उदास होकर अपनी खराब हुई गाजरों के पास बैठ गया तभी वहाँ से चीकू बंदर निकला और उसने उदास सुदंर से पूछा" क्या हुआ सुंदर ?तुम इतने उदास क्यों हो?" क्या करूँ चीकू भाई आज फिर चीन ने मेरी गाजरें खराब कर दीं। उसने सारी गाजरें खेत से उखाड़ कर फेंक दी।" आँखों में आँसू भरकर सुंदर ने बताया।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

“चीनी की शरारतें दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं, उसे सबक सिखाना पड़ेगा।” चीकू ने क्रोध से कहा। “हाँ चीकू भाई ! पर हम करेंगे क्या?” सुंदर ने पूछा। वे दोनों मिलकर एक योजना बनाते हैं। चीकू एक छोटा सा खेत तैयार करता है, जिसमें वह मूली लगा देता है । उसे विश्वास था कि चीनी यहाँ ज़रूर आएगी। जैसे ही चीनी मूली देखती है उसे शरारत सूझती है। वह मूली उखाड़ने के लिए खेत में घुस जाती है। अचानक वह खेत से बाहर आकर जमीन पर लोटने लगती है।

साथ ही बचाओ- बचाओ की आवाजें निकलने लगती है। दूर बैठे चीकू और सुंदर उसके पास आ जाते हैं। चीनी उन्हें देखकर कहती है चीकू भैया मुझे बचाओ सुंदर भैया मुझे बताओ । मुझे बहुत खुजली हो रही है कुछ तो करो। अरे यह क्या हुआ चीकू जान- बूझकर पूछता है तुम तो रोज सभी को परेशान करती हो आज तुम परेशान हो रही हो सुंदर ने पूछा दोनों हँसने लगे तुम दोनों हँस क्यों रहे हो?चीनी चिढ़ते हुए कहा मुझे बचाओ मेरी मदद करो रोज तुम सबके साथ शरारत कर उन्हें नुकसान पहुँचाती थी ।आज तुम परेशान हो रही हो सुंदर ने कहा तभी चीनी बोली मुझे सुंदर मुझे माफ कर दो मैं समझ गई कि किसी को परेशान कर के मजे लेना अच्छी बात नहीं है। तुम पहले वादा करो कि कभी कोई ऐसा काम नहीं करोगी जिससे किसी को भी परेशानी या नुकसान हो।चीकू ने कहा। चीकू सुंदर को कहता है चीनी को दबा दे दो मुझे लगता है कि इसे समझ आ गई है अब यह किसी को परेशान नहीं करेगी। सुदंर चीनी को दवा लगा देता है। चीनी ठीक हो जाती है।

अपठित पद्यांश

सबसे पहले मेरे घर का,
अंडे जैसा था आकार
तब मैं यही समझती थी बस
इतना सा ही है संसार।
फिर मेरा बना घोंसला
सूखे तिनकों से तैयार।
तब मैं यही समझती थी बस
इतना सा ही है संसार।
आखिर जब मैं आसमान में,
उड़ी दूर तक पंख पसार।
तभी समझ में मेरी आया,
बहुत बड़ा है यह संसार।

1. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें

क. सबसे पहले चिड़िया किसे अपना घर समझती थी?

ख. चिड़िया अपना घोंसला किससे बनाती है ?

ग. आखिर में चिड़िया कहाँ उड़ने लगी?

घ. समानार्थक शब्द लिखें
आसमान -
संसार -

अपठित पद्यांश

सबसे पहले मेरे घर का,
अंडे जैसा था आकार
तब मैं यही समझती थी बस
इतना सा ही है संसार।
फिर मेरा बना घोंसला
सूखे तिनकों से तैयार।
तब मैं यही समझती थी बस
इतना सा ही है संसार।
आखिर जब मैं आसमान में,
उड़ी दूर तक पंख पसार।
तभी समझ में मेरी आया,
बहुत बड़ा है यह संसार।

1. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें

क. सबसे पहले चिड़िया किसे अपना घर समझती थी?
उः सबसे पहले चिड़िया अपने अंडे को घर समझती थी।

ख. चिड़िया अपना घोंसला किससे बनाती है ?
उः अपना घोंसला सूखे तिनकों से बनाती है।

ग. आखिर में चिड़िया कहाँ उड़ने लगी?
उः आखिर में चिड़िया आसमान में उड़ने लगी।

घ. समानार्थक शब्द लिखें
आसमान - आकाश
संसार - दुनिया

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अध्ययन के परिणाम

- पठन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना
- शुद्ध उच्चारण की जानकारी पाना
- नए पाठ से परिचत होना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP